SAFALTA CLASS™

An Initiative by अमर उजाला

भाषायी कक्षा – कक्ष की समस्याएं

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

- उत्सुकता, नवीनता ध्यान और प्रेरणा ये चारों कक्षा शिक्षण के चार मजबूत आधार स्तम्भ माने जाते हैं।

- "शिक्षण का अर्थ बच्चों को पढ़ाना ही नहीं, बल्कि उन तक पहुँचना है"।

- अध्यापक बनना और अध्यापक होना दो भिन्न तथ्य है। अध्यापक बनने के लिए एक डिग्री की आवश्यकता होती है, किन्तु एक अध्यापक होने के लिए सतत् अध्ययन की अनिवार्यता होती है।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

समावेशी शिक्षा –

जब शारीरिक और मानसिक रूप से बाधित बच्चों को सामान्य बच्चों के समान शिक्षा अवसर प्रदान कराये जाते है तो वह समावेशी शिक्षा कहलाती है। समावेशी शिक्षा में सभी बच्चों के लिए हम एक मुख्यधारा का प्रयास करते है।

समकेतिक शिक्षा -

जब हम शारीरिक और मानसिक रूप से बाधित बच्चों को एक साथ बैठाकर पढ़ाई शुरू करवाते है तो समकेतिक शिक्षा कहलाती है। समकेतिक शिक्षा में हम बच्चों को समान शिक्षा प्रदान करते है।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

समावेशी शिक्षा के उद्देश्य –

समावेशी शिक्षा के प्रमुख उद्देश्य निम्न प्रकार से है–

1.असमर्थ बालकों को सामाजिक व सांस्कृतिक रूप से समाज से जोड़ना।
2.असमर्थ बच्चों की समस्या का पता लगा कर उनका निवारण करना।
3.बच्चों में जागरूकता की भावना का विकास करना।
4.सभी बच्चों को शिक्षित करके देश की मुख्यधारा से जोड़ना।
5.शिक्षण में प्रजातान्त्रिक मूल्यों को बढ़ावा देना।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

समावेशी शिक्षा की आवश्यकता -

सामाजिक एकीकरण को सुनिश्चित करने हेतु – समावेशी शिक्षा की वजह से हम समाज को इकठ्ठा करते है। तब वे एकीकरण के कारण सामाजिक गुणों को अन्य बालकों के साथ ग्रहण करते है। उनमें सामाजिक गुणों के साथ समायोजन (Adjustment) करने की क्षमता बढ़ जाती है।

समानता के सिद्धान्त हेतु – समावेशी शिक्षा के अनुसार हम सभी बच्चों को समान समझकर शिक्षा के बारे में सोचते है। समावेशी शिक्षा के द्वारा ही समानता के उद्देश्य की प्राप्ति सम्भव है।
मानसिक विकास करने हेतु – समावेशी शिक्षा के कारण सभी बच्चे एक साथ शिक्षा के समान अवसर प्रयोग करते है। जिसकी वजह से अपांग बालक भी सामान्य और प्रतिभाशाली बच्चों के साथ मिलकर अपना मानसिक विकार कर लेते है।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

कक्षा में बच्चों द्वारा होने वाली अशुद्धियाँ –

1.स्वर–वृद्धि – जब शब्दों में अनावश्यक रूप से स्वर की वृद्धि कर दी जाए तो वह स्वर–वृद्धि त्रुटी कहलाती है।

2.व्यंजन वृद्धि – जब शब्दों में अनावश्यक रूप से व्यंजन की वृद्धि कर दी जाए तो वह व्यंजन वृद्धि त्रुटी कहलाती है।

3.स्वरागम – जब शब्द से पहले स्वर में वृद्धि कर दी जाए तो वह स्वरागम त्रुटी कहलाती है।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

4.स्वर–लोप – जब शब्द में से किसी स्वर को कम कर दिया जाता है तो वह स्वर लोप त्रुटी कहलाता है।

5.व्यंजन लोप – जब शब्द में से किसी एक या एक से अधिक व्यंजनों का लोप कर दिया जाता है।

6.अनुनासिकता का दोष – चौथा का चौंथा कहना।

7.अल्पप्राण और महाप्राण का भ्रम – भोजन को बोजन, घर को गर, धोबन को दोबन बनाना आदि।

8.स्वर भक्ति – 'बृजेन्द' को बढ़ाकर 'बरजेन्दर' बोलना तथा 'शक्ति' को 'सक्ती' बोलना आदि।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

अधिगम प्रक्रिया में विशेष त्रुटियाँ -

1.पढ़ने सम्बन्धी अक्षमता –

कई बार बच्चे पढ़ते समय त्रुटियाँ करते हुए देखे जाते है।
वो शब्दों को पढ़ते समय त्रुटियाँ कर देते है।

1.एकेल्सिया (Alexia)

2.डिस्लेक्सिया Dyslexia)

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

2.लिखने सम्बन्धी अक्षमता –

कई बार बच्चे लिखते हुए त्रुटियाँ कर देते है -

डिस्प्रैक्सिया (Dyspraxia)

डिस्ग्राफिया (Dysgraphia)

अँप्रेक्सिया (Apraxia)

अग्राफिया (Agraphia)

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

3.गणित सम्बन्धी अक्षमता –
इस अक्षमता के अनुसार बच्चे गणित के चिन्हों को गलत समझते है| गणित सम्बन्धी समस्याओं

लैक्सीकल डिस्कैल्कुलिया (Lexical Dyscalculia)
ग्राफिकल डिस्कैल्कुलिया (Graphical Dyscalculia)
वर्बल डिस्कैल्कुलिया (Verbal Dyscalculia)

4.मौखिक –
रूप से सीखने की अक्षमता –
अँफेज्या (Aphasia)
डिस्फेज्या (Dysphasia)

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

समस्याओं का समाधान -

- कक्षा में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए अध्यापक को भाषिक परिवेश का निर्माण करना चाहिए।
- बच्चों के स्कूल की भाषा और घर की भाषा में समरूपता होनी चाहिए
- बच्चों को प्रारंभ से ही बहुभाषिक शिक्षा देने के लिए त्रिभाषा फार्मूला को उसके मूल भाव के साथ लागू करना चाहिए
- बहुभाषी कक्षा में शिक्षण प्रक्रिया के दौरान अध्यापक को सदैव विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा में बोलने के अवसर प्रदान करनी चाहिए।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

- पठन में आने वाली समस्या का नाम है?

Ans.डिस्लैक्सिया

- मांसपेशियों पर नियंत्रण न होना कहलाता है?

Ans.डिस्पैक्सिया

- निदान और उपचार के समय शिक्षक का रवैया?

Ans.सकारात्मक होना चाहिए

- कार्य के क्रम में अन्तिम होगा?

Ans.कक्षा कार्य, ग्रहकार्य की बारीक जाँच

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

- कक्षा-कक्ष शिक्षण का आधारभूत तत्व है?

Ans.उत्सुकता का।

- शिक्षक का कर्तव्य बच्चों को पढ़ाना ही नहीं, बल्कि -

Ans.उन तक पहुँचाना भी है।

- शिक्षक को अपने ज्ञान उत्तरण हेतु करना चाहिए?

Ans.विषयेत्तर अध्यापन द्वारा।

- शिक्षण नहीं धल सकता .....के बिना?

Ans.विद्यार्थी के द्वारा।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

- शिक्षण बेहतर नहीं हो सकता है। यदि शिक्षक -

Ans.प्रशिक्षित नहीं हो।

- एक सहायक शिक्षण सामग्री यह भी है?

Ans.भ्रमण की।

- शिक्षक अपनी विषयगत समस्याएं सुलझा सकता है?

Ans.शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वारा से।

- बच्चों के अंक कम आए हैं तो अध्यापक उपचारात्मक सूची में क्या लिखेगा?

Ans.पुनरीक्षण करे।